>

Title: Need to permit export of at least 10 lakh tonne sugar to save the sugarcane industry from the crisis.

श्री राजू शेट्टी (हातकंगले): सभापति महोदय, हमारे देश में चीनी की कुल खपत 230 लाख टन के बाद अतिरिक्त 60 लाख टन चीनी हमारे पास है और बहुत सारी चीनी मिलों ने यह चीनी खुले आसमान के नीचे रखी है। मानसून की बारिश होने की वजह से चीनी के खराब होने का खतरा पैदा हो रहा है। एक तरफ घरेलू बाजार में चीनी की कीमतें गिरती जा रही हैं और दूसरी तरफ अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में चीनी का दाम अच्छा मिल रहा है। 777 डालर प्रति टन, मतलब साढ़े तीन हजार प्रति क्विंटल अच्छा दाम आज इंटरनेशनल मार्केट में चीनी का मिल रहा है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि तुंत दस लाख टन चीनी निर्यात करने की आवश्यकता है, ताकि अगले महीने के बाद ब्राजील और थाईलैंड की चीनी जब अंतर्राष्ट्रीय बाजार में आएगी, तो चीनी के दाम कम होने के आसार हैं। चीनी को अब अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बेचने के बाद हम किसानों पैसा दे सकते हैं। इससे आज कर्जे के नीचे दब रही शुगर इंडस्ट्री को मदद मिल सकती है। मैं सरकार से विनती करता हूं कि 10 लाख टन चीनी निर्यात करने के बारे में विचार करें।